SHASTRI / B. A. PART- I EXAMINATION, 2024

सामान्य हिन्दी

(Common for Shastri & B.A. Faculties)

Compulsory Paper – (HIN/2100)

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

इस खण्ड में 15 प्रश्न है।किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। शब्द सीमा-50 शब्द

Q.1 उपसर्ग की सहायता से दो शब्द बनाइए:

{i} अति {ii} अनु

Q.2 प्रत्यय की सहायता से दो शब्द बनाइए:

{i} इन {ii} आहट

Q.3 संधि किसे कहते हैं? उसके प्रकार लिखिए।

Q.4 समास शब्द का क्या अर्थ है? इसके प्रकार लिखिए।

Q.5 वाल्मिकी, भरथरी शब्द के शुद्ध रूप लिखिए।

Q.6 वाक्य को शुद्ध कीजिए: (क) पेड़ों पर कोयल बोल रही है

Q.7 'अपने पैरों पर खड़ा होना' मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

Q.8 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' लोकोक्ति का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

Q.9 निम्न शब्दों के पारिभाषिक रूप लिखिए:- Academic Resume

Q.10 क्रिया किसे कहते हैं? इसके प्रकार बताइए।

Q.11 प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या था?

Q.12 सिकंदर को जीवन का शाश्वत सत्य किसने समझाया?

Q.13 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

Q.14 भक्ति काल के प्रमुख कवियों के नाम बताइए।

Q.15 'प्रकृति के सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है?

Part B

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) **(5 x 10 = 50)**

इस खण्ड में कुल दस प्रश्न है । किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। शब्द सीमा-250शब्द

Q.1 निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

मेरे न रहने पर दुनिया के असंख्य बाशिंदे जिंदा रहे, मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता। मेरे मौजूद न रहने पर भी सूरज-चांद उगें, फूल खिले, लोग सुहागरात मनाएँ,जच्चा के गीत गाएँ और बरसात में नहायें, मैं हरगिज, हरगिज नहीं चाहता। एक अदना आदमी जिंदा रहे, हंसता-मुस्कुराता रहे और सिकंदर कूच कर जाए, ऐसा नहीं हो सकता।

Q.2 निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

कुछ देर बाद हम लोग जीपों पर सवार हो आगे बढ़ गए। किसान ने हमें जाते हुए देख राहत की सांस ली। जीप में काफी हरा चना ढेर पड़ा था। मैं खाने लगा। वे लोग भी खाने लगे। एकाएक मुझे लगा की जीप पर तीन इल्लियाँ सवार है, जो खेतों की ओर चली जा रही है। तीन बड़ी-बड़ी इल्लियाँ, सिर्फ तीन ही नहीं ऐसी हजारों इल्लियाँ है, लाखों इल्लियाँ है। यह सिर्फ चना ही नहीं खा रही, सब कुछ खाती है और निशंक जीपों पर सवार चली जा रही है।

Q.3 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई। जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।।
छोड़ दई कुल की कानि कहा करि है कोई। संतन ढिग बैठि-बैठि लोक-लाज खोई।
अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम-बेल बोई। अब तो बेल फैलि गई आणंद फल होयी।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोयी। दधि मथि घृत काढ़ि लियो डारी दयी छोयी।।
भगत देखि राजी हुई, जगत देख रोयी। दासी मीरां लाल गिरधर, तारो अब मोही।।

Q.4 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

हम राज्य के लिए मरते हैं? सच्चा राज्य परंतु हमारे कृषक ही करते हैं।
जिनके खेतों में है अन्न, कौन अधिक उनसे संपन्न,
पत्नी सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं, हम राज्य के लिए मरते हैं?

Q.5 बड़े भाई साहब कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

Q.6 रजिया शीर्षक रेखाचित्र की रजिया की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Q.7 कबीर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q.8 'मनुष्यता' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

Q.9 श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य - हिंदी पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र तैयार कीजिए।

Q10 (अ) निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए:

मन की एकाग्रता की समस्या सनातन है। आज के प्रौद्योगिकी युग में जहाँ भौतिक उन्नति की संभावनाएँ अपार हैं ऐसे में छात्र जब अध्ययन करने बैठता है, तब उसके मन को अनेक तरह के विचार घेरने लगते हैं। वह सोचता है इस अर्थ प्रधान युग में मुझे उत्कृष्ट पद प्राप्ति के लिए एकाग्र मन से पढ़कर परीक्षा में उच्चतम श्रेणी प्राप्त करना आवश्यक है। लेकिन वह जब पढ़ने बैठता है तो क्रिकेट, सिनेमा या मित्र-मण्डली की मौज-मस्ती के विचार में उसका मन भटकने लगता है। मन का यह विचलन बुद्धि की एकाग्रता भंग कर देता है। यह घबरा कर सोचता है, परीक्षा तिथि पास है, मन उद्विग्न है, कैसे अध्ययन करूँ? क्या करूँ? व्यर्थ के विचारचक्र से बुद्धि अस्थिर और मन चंचल बना रहता है। वह सोचता है यदि परीक्षा में अनुतीर्ण हो गया तो सब कुछ नष्ट हो जाएगा। पद, प्रतिष्ठा, वैभव कुछ नहीं मिलेगा, जीवन बोझ बन जाएगा, वह बार-बार हताशा से घिर जाता है। अनियंत्रित मन और एकाग्रहीनता उसे चिंताओं में डुबा देती है। अर्जुन की यह स्वीकारोक्ति कि 'चंचल मन का निग्रह वायु की गति रोकने के समान दुष्कर है उसे उचित प्रतीत होने लगता है।'

(ब) निम्नलिखित सूक्ति का पल्लवन कीजिए: "मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) (2 x 15 = 30)

इस खण्ड में चार प्रश्न है।किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। शब्द सीमा 300 शब्द

Q.1 किसी एक विषय पर निबंध लिखिए:

(i) पर्यावरण संरक्षण (ii) कंप्यूटर शिक्षा (iii) मेरा स्वप्न: विकसित भारत

Q.2 निम्नलिखित में से किन्ही दो को विस्तृत रूप से समझाइए :-

(i) संज्ञा (ii) विशेषण (iii) क्रिया विशेषण

Q.3 सूरदास का सामान्य परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

Q.4 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के काव्य-शिल्प को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

****